CBSE Class 09

Hindi B

Sample Paper 3 (2019-20)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

   आज से प्रायः सौ-सवा सौ साल पहले वाले किसान-संघर्षों एवं आन्दोलनों का वर्णन मिलता है। इसमें सबसे पुराना मालाबार के मोपला किसानों का विद्रोह है, जो 1836 में शुरू हुआ था। कहने वाले कहते हैं कि ये मोपले कट्टर मुसलमान होने के नाते अपना आन्दोलन धार्मिक कारणों से ही करते रहे हैं। असहयोग-युग के उनके विद्रोह के बारे में तो स्पष्ट ही यही बात कही गई है। मगर ऐसा कहने-मानने वाले अधिकारियों एवं जमींदार-मालदारों के लेखों तथा बयानों से ही यह बात सिद्ध हो जाती है कि दरअसल आर्थिक एवं सामाजिक उत्पीड़न ही इस विद्रोह के असली कारण रहे हैं और धार्मिक रंग अगर उन पर चढ़ा है तो कार्य-कारणवश ही, प्रसंगवश ही। 1920 और 1921 वाले विद्रोह को तो सबों ने, यहाँ तक कि महात्मा गांधी ने भी धार्मिक ही माना है। असहयोग युग के बाद जो भी किसान-आन्दोलन हुए हैं उन्हें संगठित रूप मिला है, यह बात सही है। संगठित से हमारा आशय सदस्यता के आधार पर बनी किसान-सभा और किसानों की पंचायत से है, जिसका कार्यालय नियमित रूप से काम करता रहता है और समय पर सभी समितियाँ होती रहती हैं। कागजी घुड़दौड़ भी चालू रहती है। यह बात पहले न थी। इसी से पूर्ववर्ती आन्दोलन असंगठित था या विद्रोहों को तत्काल सफल होने के लिए उनका किसी-न-किसी रूप में संगठित होना अनिवार्य था। 'पतिया' जारी करने का रिवाज़अत्यन्त प्राचीन है। मालूम होता है, पहले दो-चार अक्षरों या संकेतों के द्वारा ही संगठन का मंत्र फूँका जाता था। यातायात के साधनों के अभाव में उसे वर्तमान कालीन सफलता एवं विस्तार प्राप्त न होते थे।

i. सबसे पुराना किसान आन्दोलन कब और कहाँ शुरू हुआ? (2)
ii. संगठित किसान आंदोलन की क्या विशेषताएँ थीं? (2)
iii. असहयोग युग के बाद किसान आंदोलनों में क्या बदलाव आए? (2)
iv. पूर्ववर्ती किसान आंदोलन की असफलता के क्या कारण थे? (2)
v. मोपला किसानों के विद्रोह का मुख्य कारण क्या था? (1)
vi. सामाजिक शब्द से प्रत्यय अलग कीजिए । (1)

Section B

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

   i. संतुलन
   ii. कविता

3. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक का प्रयोग कीजिए-

   i. हसमुख
   ii. अन्धा
   iii. ऊट
   iv. सन्वारना

4. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिये-
   गिरफ्तार, रोज

5. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग व मूलशब्द को अलग-अलग कीजिए-

   i. अधिकार
   ii. भरपेट
   iii. पराक्रम

6. I. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-
      i. स्व + इच्छा
      ii. पूर्व + उक्त
   II. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-
      i. तथैव
      ii. सम्भाषण

7. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर सही विराम चिह्न लगाइए-

i. भरत दशरथ के पुत्र तपस्वी थे
ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है होनहार बिरवान के होत चीकने पात
iii. सुबह सुबह कौवा काँव काँव करने लगा।

Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. बुढ़िया की उस विवशता का उल्लेख कीजिए जिसके कारण उसे सूतक में भी खरबूजे बेचने आना पड़ा? दुःख का अधिकार पाठ के आधार पर बताइए।

   b. उफ, तुम कब जाओगे, अतिथि? इस प्रश्न के द्वारा लेखक ने पाठकों को क्या सोचने पर विवश किया है?

   c. महादेव भाई के लेख व लिखावट की क्या विशेषताएँ थीं? शुक्र तारे के समान पाठ के आधार पर लिखिए।

   d. तिरस्कृत व उपेक्षित कीचड़ में सौन्दर्य भी है और वह उपयोगी भी है - तर्क सहित सिद्ध कीजिए।

9. यहाँ बुद्धि का परदा डालकर पहले ईश्वर और आत्मा का स्थान अपने लिए लेना फिर धर्म, ईमान, ईश्वर और आत्मा के नाम पर अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए लोगों को लड़ाना, भिड़ाना। धर्म की आड़ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

OR

एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी तो मृत्यु को भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए। आशय स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

    a. मोती, मानुष, चून के सन्दर्भ में पानी के महत्व को रहीम के पद के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

    b. आदमी नामा पाठ के आधार पर आदमी के उस रूप का वर्णन कीजिए जिसने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया?

    c. अपनी बच्ची की बीमारी के कारण सुखिया के पिता की क्या दशा हुई? एक फूल की चाह कविता के आधार पर लिखिए।

    d. वसंत का गया पतझड़ को लौटा और वैसाख का गया भादौ को लौटा से कवि अरुण कमल का क्या अभिप्राय है?

11. अग्निपथ कविता में अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ मनुष्य के जीवन के जीवन को एक महान दृश्य बताकर हमें क्या सन्देश दिया गया है?

OR

कवि ने अपनी तुलना ईश्वर से किस रूप में की है? रैदास के पद के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

    a. गिल्लू को मुक्त कराने की आवश्यकता क्यों समझी गयी और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किए?

    b. हामिद खाँ और लेखक के बीच कब और किस प्रकार का सम्बन्ध स्थापित हो गया था?

    c. गाँधी जी के पार उतरने के बाद भी लोग तट पर क्यों खड़े थे?

Section D

13. **विद्यालय का हिन्दी दिवस समारोह** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

    - हिंदी दिवस की तारीख एवं मनाने का कारण
    - समारोह की रूपरेखा
    - योगदान व सफलता

OR

मेरा प्रिय खिलाड़ी विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

14. आपका मित्र अनिल बीमारी के कारण अपनी परीक्षाएँ नहीं दे पाया, इससे वह निराश है। एक प्रेरणा-पत्र लिखकर उसका हौंसला बढ़ाइए।

OR

आपके पिताजी का तबादला दूसरे शहर में हो गया है। आप अपने मित्र को नए शहर की सुन्दरता का वर्णन करते हुए पत्र लिखिए।

15. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रत्युक्त कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बद्ध होना चाहिए।

OR

दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बंधित होना चाहिए।

16. विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

OR

बढ़ते जल प्रदूषण से परेशान दो नदियों के बीच होने वाले संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

17. किसी शीतल पेय की बिक्री बढ़ाने वाला एक विज्ञापन तैयार कीजिए। (25-50 शब्दों में).

CBSE Class 09

Hindi B

Sample Paper 3 2019-20)

Solution

Section A

1. i. सबसे पुराना किसान विद्रोह 1936 में मालाबार के मोपला किसानों का विद्रोह था।
   ii. संगठित किसान आंदोलन सदस्यता के आधार पर बनी किसान सभा और किसानों की पंचायत द्वारा किए गए जिनका कार्यालय नियमित रूप से काम करता है।
   iii. असहयोग युग के बाद हुए किसान आंदोलन संगठित थे जिन्हें तत्काल नहीं दबाया जा सका।
   iv. पूर्ववर्ती किसान आंदोलन असंगठित होने के कारण असफल हो गए। जो आंदोलन (या विद्रोह) असंगठित किसानों द्वारा किए गए वे तत्काल दबा दिए गए।
   v. मोपला किसानों के विद्रोह का मुख्य कारण आर्थिक एवं सामाजिक उत्पीड़न था।
   vi. समाज + इक

Section B

2. i. स् + अं + त् + उ + ल् + अ + न् + अ
   ii. क् + अ + व् + इ + त् + आ
3. i. हँसमुख
   ii. अंधा
   iii. सँवारना
   iv. ऊँट

4. गिरफ़्तार, रोज़

5. i. अधि + कार
   ii. भर + पेट
   iii. परा + क्रम
6. I. i. स्वेच्छा
      ii. पूर्वोक्त
   II. i. तथा + एव
      ii. सम् + भाषण
7. i. भरत (दशरथ के पुत्र) तपस्वी थे।
   ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है, 'होनहार बिरवान के होत चीकने पात।'
   iii. सुबह-सुबह कौवा काँव-काँव करने लगा।

Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. बुढ़िया के जवान बेटे को साँप ने डस लिया था। ओझा से झाड़-फूंक करवाने और नागपूजा के बाद दान-दक्षिणा देने में घर का अनाज और आटा चला गया। उसके कफ़न के इंतजाम में साधारण जेवर भी बिक गए। भूख से बिलबिलाते पोते पोतियों और बीमार बहू की भूख शांत करने की विवशता में उसे सूतक में भी खरबूजे बेचने आना पड़ा।

   b. इस प्रश्न द्वारा लेखक ने पाठकों को यह सोचने पर मजबूर किया है कि अच्छा अतिथि कौन होता है? वह, जो पहले से अपने आने की सूचना देकर आए और एक-दो दिन मेहमानी कराके विदा हो जाए न कि वह, जिसके आगमन के बाद मेज़बान वह सब सोचने को विवश हो जाए, जो इस पाठ का मेज़बान निरन्तर सोचता रहा। उफ! शब्द द्वारा मेज़बान की उकताहट को दिखाया गया है।

   c. महादेव जी द्वारा अखबारों में लिखे कॉलम बेजोड़ होते थे। वे गाँधी जी की सीख को पूरी तरह अपनाते थे कि किसी से भी कटुतापूर्ण विवाद न किया जाए। सत्यनिष्ठा से निकले तर्क को भी शालीनता के साथ, विवेक पूर्वक प्रस्तुत किया जाए। यही महादेव भाई के लेख व लिखावट की विशेषताएँ थीं।

   d. कवि केवल बाहरी सौंदर्य पर विशेष ध्यान देते हैं। आन्तरिक सौंदर्य को अधिक महत्त्व नहीं देते। 'पंकज' और 'कमल' शब्द सुनकर उनका चित्त खिल उठता है किन्तु 'पंक' और 'मल' का नाम सुनते ही जायका बिगड़ जाता है। कीचड़ से उत्पन्न वस्तु का तो सम्मान करते हैं परन्तु कीचड़ का तिरस्कार करते हैं।

9. भारत में धर्म के कुछ ठेकेदार साधारण लोगों की बुद्धि को भ्रमित कर देते हैं वे कुछ सोच-समझ नहीं पाते। देश में धर्म की धूम है। धर्म के नाम पर उत्पात किए जाते हैं, जिद की जाती है, भोले-भाले लोगों को बेवकूफ़ बनाया जाता है। अपना आसन ऊँचा करने के लिए धूर्त लोग धर्म की आड़ लेते हैं। मूर्खा की बुद्धि पर परदा डालकर धर्म और ईमान के नाम पर स्वार्थसिद्ध करते हैं। जान देने और जान लेने को तैयार रहते हैं। इस प्रकार वे साधारण लोगों का दुरुपयोग कर शोषण करते हैं।

OR

शेरपा कुलियों में से एक की मृत्यु व चार के घायल होने की खबर सुन यह कथन कर्नल खुल्लर ने कहा। एवरेस्ट दुनियाँ की सबसे ऊँची चोटी है और इस पर चढ़ना कोई आसान काम नहीं है। इसलिए कर्नल खुल्लर ने अभिय सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि महान् उद्देश्य की पूर्ति के लिए खतरों का सामना करना पड़ता है और मृत्यु को भी गले लगाना पड़ सकता है। इस तरह की परिस्थितियों का सहज भाव से सामना करना चाहिए। मृत्यु इस उद्देश्य के सामने छोटी है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

    a. 'मोती' के सन्दर्भ में पानी का अर्थ चमक है। इसी चमक से वह कीमती बनता है। 'मानुष' के सन्दर्भ में 'पानी' इज्जत, मान-सम्मान का प्रतीक बनकर आता है। इसी से मनुष्य का समाज में स्थान निश्चित होता है। 'चून' के सन्दर्भ में

पानी ही उसे गूंदने के काम आता है और तभी इससे खाना पकना संभव होता है।

b. 'आदमी नामा' कविता में आदमी के जिस रूप ने मुझे सर्वाधिक प्रभावित किया वह है उसका उच्च मानवीय वाला रूप। ऐसा आदमी ऊँच-नीच का भेद-भाव किए बिना मनुष्य पर जान न्यौछावर करता है। वह सबको समान मानकर उनसे प्रेम करता है।

c. अपनी बच्ची की बीमारी के कारण सुखिया के पिता को चारों ओर अन्धकार ही अन्धकार दिखाई देने लगा। अपनी पुत्री की अन्तिम इच्छा पूरी न कर पाने के कारण उसका मन घोर निराशा से भर जाता है। क्योंकि वह सामाजिक स्थितियों को जानता था।

d. 'वसंत का गया पतझड़ को लौटा' और 'बैसाख का गया भादौ को लौटा' का अभिप्राय है कुछ ही समय में एकाएक परिवर्तन हो गया है। आने और जाने के समय में ही अद्भुत परिवर्तन हो गया है। पुरानी जगहें नया रूप ले चुकी हैं और पुरानी पहचान गायब हो चुकी है कवि को अपने घर ठिकाने की ठीक से पहचान मेंनहीं है।

11. कवि कहता है कि जीवन पथ अनुकूल और प्रतिकूल दोनों प्रकार की परिस्थितियों से भरा हुआ है। यह संसार अग्नि से पूर्ण मार्ग के समान कठिन है और इस कठिन मार्ग का सबसे सुन्दर दृश्य कवि के अनुसार कठिनाइयों का सामना करते हुए आगे बढ़ना है। संघर्ष-पथ पर चलने पर उसकी (मनुष्य की) आँखों से आँसू बहते हैं, शरीर से पसीना निकलता है और खून बहता है, फिर भी वह इन सब की परवाह किए बिना निरन्तर परिश्रम करते हुए संघर्ष-पथ पर बढ़ता जाता है।

OR

कवि अपने आराध्य को याद करते हुए उनसे अपनी तुलना करता है, उनका प्रभु हर तरह से श्रेष्ठ है तथा उनके मन में निवास करता है - हे प्रभु आप चंदन तथा हम पानी हैं। आपकी सुगंध मेरे अंग-अंग में बसी है। आप बादल हैं, मैं मोर हूँ। जैसे घटा आने पर मोर नाचता है। मेरा मन भी आपके स्मरण से नाच उठता है। जैसे चकोर प्रेम से चाँद को देखता है वैसे ही मैं आपको देखता हूँ। प्रभु आप दीपक हैं तो मैं उसमें जलने वाली बाती हूँ। जिसकी ज्योति दिन-रात जलती रहती है। प्रभु आप मोती हो तो मैं माला का धागा हूँ। जैसे सोने और सुहागे का मिलन हो गया हो, प्रभु आप स्वामी हैं मैं आपका दास हूँ। मैं सदा आपकी भक्ति करता हूँ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

a. जब गिल्लू के जीवन का पहला बंसत आया तब बाहर की गिलहरियाँ खिड़की की जाली के पास आकर चिक-चिक की आवाज़ करके मानो कुछ कहने लगीं। गिल्लू भी जाली के पास बैठकर बाहर झाँकता रहता। तब लेखिका को लगा कि इसे मुक्त करना आवश्यक है इसलिए कीलें निकालकर जाली का एक कोना खोल दिया। ऐसे लगा कि गिल्लू ने इससे बाहर जाकर जैसे मुक्ति की सांस ली। लेखिका के हृदय में जीवों के प्रति दया का भाव था वह उनकी इच्छाओं का सम्मान करती थी। वह पशु-पक्षियों को किसी बंधन या कैद में नहीं रखना चाहती थी। जब उन्हें महसूस हुआ कि गिल्लू बाहर जाना चाहता है तो उन्होंने उसे बाहर जाने के लिए स्वयं रास्ता दे दिया।

b. हामिद खाँ और लेखक के बीच तब सम्बन्ध स्थापित हुआ जब लेखक तक्षशिला के खण्डहर में घूमते हुए भूख-प्यास से बेहाल हो हामिद खाँ की दुकान में भोजन करता था। हामिद खाँ उसे आत्मीय भाव से भोजन खिलाता था और अपना मेहमान बनाकर उससे पैसे तक नहीं लेता। दोनों में एक सौहार्दपूर्ण आत्मीय सम्बन्ध स्थापित हो जाता है।

c. जब गाँधी जी नदी पार करने के लिए रात बारह बजे निकले और घुटनों तक पानी में चलकर नाव तक पहुँचे। 'महात्मा गाँधी की जय', 'सरदार पटेल की जय' और 'जवाहर लाल नेहरू की जय' के नारों के बीच नाव रवाना हुई। कुछ ही देर में नारों की आवाज नदी के दूसरे तट से भी आने लगी। ऐसा लगा जैसे वह नदी का किनारा नहीं बल्कि पहाड़ की धारी हो, जहाँ प्रतिध्वनि सुनाई दे। अर्थात् महि सागर के दूसरे तट पर भी स्थिति कोई भिन्न नहीं थी। उसी तरह का कीचड़ और दलदली जमीन थी। अतः यह पूरी यात्रा का संभवतः सबसे कठिन हिस्सा था।

Section D

13. **हिन्दी दिवस की तारीख एवं मनाने का कारण-** हिन्दी विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। हिन्दी की खड़ी बोली भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर, 1949 को भारतीय संविधान के अनुसार इस देश की राष्ट्रभाषा के रूप में सर्व सम्मति से स्वीकार की गई। यह दिन निश्चित ही स्वतंत्र भारत के लिए गौरवपूर्ण था। तब से यह दिन हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।
हमारे विद्यालय में भी हिन्दी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसे विद्यालय में हिन्दी पखवाड़े के रूप में मनाया जाता है जो 14 सितम्बर से 30 सितम्बर राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के जन्म दिवस तक मनाया जाता है।
समारोह की रूपरेखा- इसके अंर्तगत विद्यालय में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जैसे- भाषण प्रतियोगिता, निबन्ध व पत्र लेखन प्रतियोगिता, लघु नाटिका, कवि सम्मेलन आदि। इन पन्द्रह दिनों में हिन्दी के प्रयोग व उसके महत्व पर ध्यान दिया जाता है। अंतिम दिन मुख्य कार्यक्रम रखे जाते हैं। अतिथियों को आमंत्रित किया जाता है। कार्यक्रमों का प्रारंभ विद्यालय की संस्थापिका श्रीमति मीरा सक्सेना ने सरस्वती प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। उसके पश्चात् कक्षा नौ की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद एक के बाद एक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कक्षा आठ व नौ के विद्यार्थियों ने मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित 'नमक के दरोगा' नामक नाटक की महमोहक प्रस्तुति दी। तो दूसरी ओर विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं द्वारा किए गए कविता पाठ ने श्रोताओं को मुग्ध कर दिया। इन प्रस्तुतियों के बाद विभिन्न अतिथि कवियों व विद्यार्थियों द्वारा कविता पाठ किया गया।
योगदान व सफलता- कार्यक्रमों की प्रस्तुति के पश्चात् हिन्दी पखवाड़े के अंर्तगत हुई समस्त प्रतियोगिताओं में सफल रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। अंत में विद्यालय के मैनेजर श्री मनोज सक्सेना ने अतिथियों का आभार व्यक्त करके और विद्यार्थियों द्वारा किए गए सार्थक प्रयास की सराहना करके कार्यक्रम का समापन किया।

OR

मेरा प्रिय खिलाड़ी क्रिकेट की दुनिया का जादूर व बादशाह सचिन तेन्दुलकर है। वे क्रिकेट के विश्व प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं। प्रत्येक खिलाड़ी उनके समान खेलने व बनने के स्वप्न देखता है। सचिन ने जब क्रिकेट की दुनिया में कदम रखा उस समय वह सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे। जब वह मैदान पर होते थे तो सभी दर्शकों की निगाहें उन्हीं पर टिकी रहती थी। उनके

खेलने के अंदाज को देखकर सभी दाँतों तले अपनी अँगुलियाँ दबा लेते थे। खेल के विपरीत परिस्थितियों में होने पर भी वह अपना संयम नहीं खोते थे और सामान्य होकर खेल को खेलते थे। विपक्षी खिलाड़ियों में सदैव ही उन्हें आउटट करने की होड़ लगी रहती थी। उन्होंने कई शतक और अर्द्धशतक बनाए थे। उनके खेलने के तरीके की प्रशंसा केवल उनके साथी खिलाड़ी ही नहीं वरन् अन्य देशों के खिलाड़ी भी करते थे। उनकी कप्तानी में भारत ने कई मैच भी जीते हैं।
इस प्रकार सचिन मेरे प्रिय खिलाड़ी हैं और मैं सदैव उनके जैसा खेलने का प्रयास करता हूँ। यद्यपि मैं जानता हूँ कि इसके लिए अत्यधिक परिश्रम की आवश्यकता है, किन्तु मैं परिश्रम से पीछे नहीं हटूँगा और भविष्य में उनके जैसा खिलाड़ी अवश्य बनूँगा।

14. प्रिय मित्र अनिल
सप्रेम नमस्ते।
कल ही तुम्हारा पत्र प्राप्त हुआ कि बीमारी के कारण तुम इस वर्ष परीक्षा नहीं दे पाए। तुम्हारा हृदय व्यथित है। मेरे मित्र! तुम जानते हो कि जीवन में अनेक घटनाएँ ऐसी होती हैं जिन पर हमारा वश नहीं होता। हमें इन घटनाओं का साक्षी बनकर रहना चाहिए तथा अपने मन को शान्त रखना चाहिए। तुम अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान दो। हमेशा याद रखो कि प्रभु का प्रत्येक विधान मंगलमय होता है। परीक्षा न दे पाने के लिए तुम दोषी नहीं हो, अतः तुम्हें दुखी होने की आवश्यकता नहीं है। मुझे आशा है कि तुम अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहोगे। तुम्हारे मम्मी-पापा को प्रणाम तथा रीनू को प्यार।
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
पंकज
85-सी, नेहरुनगर, जयपुर
दिनांक : 05 मार्च, 2019

OR

P-276, पालम,
नई दिल्ली-77,
दिनांक .....।
प्रिय मित्र गोविन्द
सप्रेम नमस्ते,
कल तुम्हारा पत्र मिला। तुम्हें यह जानकर हर्ष होगा कि मेरा मन इस नए शहर में लग गया है। दिल्ली बहुत बड़ा और सुन्दर है। यहाँ लाल किला, जामा मस्जिद, लोटस टेम्पल, इंडिया गेट आदि कई दर्शनीय स्थल हैं। यहाँ की बहुमंजिला गगनचुम्बी इमारतें लोगों का ध्यान आकर्षित कर लेती हैं। यहाँ सड़कें काफ़ी चौड़ी हैं। रात के समय बाज़ारों की सजावट व रोशनी मन मोह लेती है। बाज़ार बहुत बड़े-बड़े हैं। मुग़ल गार्डन में फूलों की इतनी किस्में हैं कि वे लोगों को हैरत में डाल देती है। दिल्ली में मैट्रो की सवारी करके बड़ा मजा आया। यह शहर बड़ा होने के साथ साफ-सुथरा भी है।
इस नए शहर में तुम्हारी कमी अखरती है। यदि तुम भी साथ होते तो आनन्द दुगना हो जाता। ग्रीष्म अवकाश में तुम दिल्ली अवश्य आना। अंकल व आंटी को नमस्ते।

तुम्हारा प्रिय मित्र
मोहित

15. i. यह गाँव के बाजार का दृश्य है।
ii. एक अधेड़ स्त्री खरबूजे बेच रही है।
iii. वह औरत दुखी प्रतीत होती है। वह घुटने पर सिर रखे रो रही है।
iv. लोग उस औरत को देख रहे हैं लेकिन कोई खरबूजे खरीद नहीं रहा है।
v. कुछ खरबूजे डलिया में रखे हैं व कुछ नीचे पड़े हैं।
vi. लोग उस औरत के बारे में तरह-तरह की बातें बना रहे हैं।

OR

i. यह गाँव का दृश्य है।
ii. सूरज डूब रहा है। शाम हो जाने पर किसान बैलों को लेकर घर लौट रहा है।
iii. एक आदमी डंडा कंधे पर रखकर गाय चरा रहा है।
iv. चारों ओर खेत व हरियाली नजर आ रही है।
v. गाँव के लोग भी 'छोटा परिवार सुखी परिवार' का महत्व समझने लगे हैं।
vi. इस परिवार के लोगों के चेहरे की मुस्कान इनकी खुशहाली की प्रतीक है।

16. शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।
गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?
शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।
गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के पथ पर अग्रसर होता हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।
शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?
गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।
शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।

OR

पहली नदी - क्या बात है बहन? आज बहुत दुःखी दिखाई दे रही हो।
दूसरी नदी - क्या बताऊँ? आजकल मेरा पानी पहले से भी अधिक प्रदूषित होता जा रहा है।
पहली नदी - सच कहा तुमने। लोग अपना कचरा नदियों में बहा देते हैं। अपने जानवरों को भी हमारे पानी में नहला कर पानी प्रदूषित कर रहे हैं।
दूसरी नदी - इतना ही नहीं कारखानों से निकलने वाले रासायनिक पदार्थ व नालों, सीवर आदि का पानी भी सीधे हमारे

पानी में मिलाया जा रहा है।

पहली नदी - हम ही नहीं हमारे जल में रहने वाले जीव जन्तु, मछलियाँ आदि भी इस प्रदूषण से परेशान हैं।

दूसरी नदी - मनुष्य इतना स्वार्थी हो गया है कि अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति से खिलवाड़ कर रहा है।

पहली नदी - जल ही जीवन है जब तक मनुष्य इस बात को नहीं समझेगा, इसे जल प्रदूषण से मुक्ति सम्भव नहीं है।

17.

ठंडा मतलब----------? कोका कोला

कोका कोला पीजिए

जिन्दगी का आनन्द लीजिए।

"बच्चों, जवान व बूढ़ों को भाये।

गर्मी भगायें।"